No. of Printed Pages : 2

ई.एस.-345

00021

शिक्षा में स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2018

ई.एस.-345 : हिन्दी शिक्षण प्रविधि

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

निर्देश : *(i)* ***सभी*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों की भारिता* ***समान*** *है।*

---

1. नीचे लिखे प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

पठन कौशल का महत्त्व बताते हुए उसके प्रकार बताइए। पठन संबंधी त्रुटियों के निराकरण के उपायों को लिखिए।

अथवा

क्रियात्मक शोध के उद्देश्य व महत्त्व बताइए। क्रियात्मक शोध के सोपानों का वर्णन कीजिए।

2. नीचे लिखे प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में लिखिए :

निबंध की विधागत विशेषताएँ बताते हुए, निबंधीशिक्षण संबंधी विविध सोपानों की क्रियाविधि भी स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कविता शिक्षण के महत्त्व व प्रयोजन पर प्रकाश डालते हुए कविता शिक्षण की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।

3. नीचे लिखे प्रश्नों में से **किन्हीं चार** के उत्तर प्रति प्रश्न लगभग **150** शब्दों में लिखिए :

(a) प्रश्नपत्र निर्माण में ध्यान देने योग्य किन्हीं चार बातों का उल्लेख कीजिए।

(b) पठन दोषों से अवगत होने के लिए किन उपागमों का उपयोग किया जा सकता है? लिखिए।

(c) क्रियात्मक शोध व मूलभूत शोध में क्या अन्तर है?

(d) छात्रों में काव्यात्मक अभिरुचि बढ़ाने के क्या माध्यम हो सकते है?

(e) किसी पुस्तक की समीक्षा लिखते समय किन पक्षों पर ध्यान देना चाहिए?

(f) व्याकरण शिक्षण की विधियाँ कौन-कौन सी हैं?

(g) कक्षा शिक्षण के समय श्रवण कौशल विकास के उपाय लिखिए।

4. नीचे लिखे प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

माध्यमिक स्तर के हिन्दी पाठ्यक्रम से किसी भी विषय पर पाठयोजना तैयार कीजिए।